

(b) Yes, Sir. According to the State Govt. of Manipur, they propose to strengthen the staff in the National Park for better protection and management.

रिहन्द जलाशय का प्रदूषण

2939. श्री जगन्नाथ सिंह: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड (एन०सी०एल०) सिंगरौली, मध्य प्रदेश में कार्यरत दस परियोजनाओं का विकास (सूरेज), खदानों का विषाक्त पानी, मल-मूत्र और अपशिष्ट पदार्थ रिहन्द जलाशय में बहाकर जलाशय के पानी को प्रदूषित कर रहा है जिसके कारण जलाशय के जल-जंतु मछली आदि एवं जलाशय से पेय जल उपयोग में लाने वाले निवासियों को खतरा पैदा हो रहा है;

(ख) क्या इस संबंध में राष्ट्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड (एन०सी०एल०) और विश्व बैंक को स्थानीय एन०जी०ओ० द्वारा निवेदन एवं अभ्यावेदन करने पर भी प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने हेतु कोई कार्यवाही नहीं की गई है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा किये गये उपायों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफुद्दीन सोज़):

(क) मध्य-प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार रिहन्द जलाशय का पानी राष्ट्रीय कोलफील्डस, सिंगरौली द्वारा चलाई जा रही 10 परियोजनाओं के सीवेज एवं औद्योगिक बहिःस्त्राव के अन्तर्वाह के कारण संदूषित नहीं हो रहा है।

(ख) और (ग) उद्योगों को बहिःस्त्राव उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए निर्देश देते हुए जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों के अन्तर्गत उपाय किए गए हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में दावानल के कारण वनों की हानि

2940. श्री महेश्वर सिंह: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस वर्ष पहाड़ी क्षेत्रों में, विशेषकर हिमाचल प्रदेश में दावानल व जंगलों में अन्य वारणों से आग लगने से करोड़ों रुपए के जंगल जलकर राख हो गए जिससे वन्यप्राणियों की भी भारी संख्या में जानें गई हैं;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1996-97 में वन संपदा के जलने से कुल कितनी क्षति हुई;

(ग) क्या यह भी सच है कि हिमालय क्षेत्र में दावानल से निपटने के लिए हेलीकाप्टरों/वायुयानों का प्रावधान किया गया था; और

(घ) यदि हां, तो कब और कितने हेलीकाप्टरों/वायुयानों का प्रावधान किया गया था और वर्तमान में इनका उपयोग कहां-कहां किया जा रहा है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफुद्दीन सोज़):

(क) और (ख) राज्यों से सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) और (घ) जैसाकि परियोजना में बल दिया गया है, प्रदर्शन, प्रशिक्षण और पायलट आपरेशन गतिविधियों के उद्देश्य से क्रमशः अक्टूबर 1986 और जुलाई, 1987 में यू०एन०डी०पी० से सहायता प्राप्त "आधुनिक दावानल नियंत्रण परियोजना" के तहत एक लामा हेलीकाप्टर और एक पाइपर सेनेका एयरक्राफ्ट उपलब्ध कराए गए।

पाइपर सेनेका-III फिक्सड विंग एयरक्राफ्ट 25.8.94 को सवाई माधोपुर (राजस्थान) के निकट हुई दुर्घटना में नष्ट हो गया और लामा हेलीकाप्टर तकनीकी कारणों से खड़ा है।

कुल्लू में गोविन्द बल्लभ पन्त हिमालयन डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट के अंतर्गत एक केन्द्र की स्थापना

2941. श्री महेश्वर सिंह: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सत्य है कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में गोविन्द बल्लभ पन्त हिमालयन डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट (जी०बी०पी०एच०डी०आई०) के अंतर्गत एक केन्द्र की स्थापना की गई है।

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त केन्द्र के कार्यालय एवं आवास के भवन अभी निर्माणाधीन हैं, यदि हां, तो कितना निर्माण कार्य हो चुका है और कब तक निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा;

(ग) उक्त केन्द्र में किस-किस श्रेणी के कितने कर्मचारी और अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और उनमें कितने स्थानीय (हिमाचली) हैं और किस-किस पद पर कार्यरत हैं?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफुद्दीन सोज़):

(क) जी, हां।